पं दीनदयाल उपाध्याय शिक्षण संस्था संचलित,

श्री संत सावता माळी ग्रामीण महाविद्यालय, फुलंब्री

फुलंब्री, जि. छत्रपती संभाजीनगर

हिंदी विभाग

शै. वर्ष 2024-25

वार्षिक अहवाल

पं. दीनदयाल उपाध्याय शिक्षण संस्था संचलित,

श्री संत सावता माळी ग्रामीण महाविद्यालय, फुलंब्री

फुलंब्री, जि. छत्रपती संभाजीनगर

हिंदी विभाग - शै. वर्ष 2024-25

वार्षिक अहवाल

अनुक्रमणिका

हिंदी विभाग का उद्देश

हिंदी विभाग की ओर से आयोजित विभिन्न उपक्रम

1. प्रेमचंद जयंती समारोह - 2024
2. हिंदी सप्ताह - 2024
3. भारतीय ज्ञान परंपरा - त्योहार एवं उत्सव - 07-10-2024
4. अंतर्राष्ट्रीय वेबीनार (ई-संगोष्ठी) - वैश्विक पटल पर हिंदी के बढते चरण 05-02-2025
5. एकदिवसीय कार्यशाला - NEP - 2020 कार्यान्वयन: एकाधिक प्रवेश और एकाधिक निर्गमन - 06 दिसंबर 2024
6. मातृभाषा स्वाक्षरी अभियान - 21 फरवरी 2023
7. अतिथि अध्यापन वर्ग
8. छात्र अध्ययन यात्रा -
9. भित्तिपत्रिका
10. सूचना प्रौद्योगिकी तकनिक का प्रयोग
11. हिंदी विभाग में आगमनस्त मान्यवर अतिथि
12. प्रकल्प कार्य
13. शैक्षणिक वर्ष 2023-24 हिंदी विभाग के अध्यापकों का कार्यभार
14. शैक्षणिक वर्ष 2023-24 हिंदी विभाग के पेपर के अनुसार छात्र छात्राओं की संख्या
15. बी.ए., बी.कॉम, बी.एस्सी प्रथम, द्वितीय, तृतीय वर्ष सत्र परीक्षाओं के निकाल
16. विभाग में कार्यरत अध्यापकों की शैक्षणिक वर्ष 2023-24 की उपलब्धियों
17. हिंदी विभाग की आगामी योजनाऐं।
18. विभिन्न उपक्रमों के छायाचित्र
19. हिंदी विभाग की गतिविधियों के समाचार पत्रों में प्रकाशित प्रतिबिंब

पं. दीनदयाल उपाध्याय शिक्षण संस्था संचलित,

श्री संत सावता माळी ग्रामीण महाविद्यालय, फुलंब्री

फुलंब्री, जि. छत्रपती संभाजीनगर

हिंदी विभाग के उद्देश

- राष्ट्रभाषा हिंदी का विकास करना।
- भाषा के स्तर पर हिंदी का ज्ञान छात्रों मे वृध्दींगत करना।
- लेखन, वाचन हेतु हिंदी का प्रयोग करना।
- हिंदी में कामकाज करने की छात्रों में आदत बढ़ाना।
- हिंदी कथा, कहानी, निबंध, पत्राचार पत्रिकाओं में लेखन करने का अभ्यास छात्रों में बढाना
- कुल मिलाकर हिंदी उपलब्ध ज्ञान के आधारपर जीवन कौशल्यों का विकास करना।
- जीवन मूल्यों के प्रति आस्था निर्माण करना।
- साहित्य आस्वदन अभिरूचि का परिसंस्कार करना।
- हिंदी कविता, उपन्यास साहित्य की परंपरा से परिचय कराना।
- अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक्स माध्यमों का परिचय बढाना।
- रंगमंच तथा अभिनय कला से परिचय कराना।

पं. दीनदयाल उपाध्याय शिक्षण संस्था संचलित,

श्री संत सावता माळी ग्रामीण महाविद्यालय, फुलंब्री

हिंदी विभाग

हिंदी विभाग की और से आयोजित विभिन्न उपक्रम

1) प्रेमचंद जयंती समारोह

31 जुलाई 2022 प्रेमचंद जयंती के उपलक्ष में पंडित दीनदयाल उपाध्याय शिक्षण संस्था संचलित श्री संत सावता माळी ग्रामीण महाविद्यालय फुलंब्री तथा चेतना कला वरिष्ठ महाविद्यालय सावंगी जिला छत्रपती संभाजीनगर के हिंदी विभाग द्वारा तिथि 31 जुलै 2024 को प्रेमचंद जयंती का आयोजन किया गया। इस समय मुख्य वक्ता के रूप में **डॉ सिंधु हलदे,** हिंदी विभाग दगडोजीराव देशमुख महाविद्यालय वालुज छत्रपति संभाजी नगर से उपस्थित इन्होंने प्रेमचंद का कथा साहित्य इस विषय पर छात्रों को मार्गदर्शन किया।

उन्होंने प्रेमचंद के संदर्भ में छात्रों को जानकारी देते हुए कहा कि प्रेमचंद का रचना संसार बहुत बड़ा और समृद्ध है। बहुआयामी प्रतिभा के धनी प्रेमचंद ने कहानी, नाटक, उपन्यास, लेख, आलोचना, संस्मरण, संपादकीय जैसी अनेक विधाओं में साहित्य का सृजन किया है। उन्होंने कुल 300 से ज़्यादा कहानियां, 3 नाटक, 15 उपन्यास, 10 अनुवाद, 7 बाल-पुस्तकें लिखीं। इसके अलावा सैकड़ों लेख, संपादकीय लिखे जिसकी गिनती नहीं है। हालांकि उनकी कहानियां और उपन्यास उन्हें प्रसिद्धि के जिस मुकाम तक ले गए वो आज तक अछूता है।

प्रेमचंद ने शुरुआती सभी उपन्यास उर्दू में लिखे जिनका बाद में हिंदी में अनुवाद हुआ।1918 में 'सेवासदन' उनका हिंदी में लिखा पहला उपन्यास था। इस उपन्यास को उन्होंने पहले 'बाज़ारे हुस्न' नाम से उर्दू में लिखा लेकिन हिंदी में इसका अुनवाद 'सेवासदन' के रूप में प्रकाशित हुआ। यह एक स्त्री के वेश्या बनने की कहानी है। हिंदी साहित्यकार डॉ. रामविलास शर्मा के मुताबिक़ सेवासदन भारतीय नारी की पराधीनता की समस्या को सामने रखता है। इसके बाद 1921 में किसान जीवन पर उनका पहला उपन्यास 'प्रेमाश्रम' प्रकाशित हुआ। अवध के किसान आंदोलनों के दौर में 'प्रेमाश्रम' किसानों के जीवन पर लिखा हिंदी का शायद पहला उपन्यास है। फिर 'रंगभूमि', 'कायाकल्प', 'निर्मला', 'गबन', 'कर्मभूमि' से होता हुआ उपन्यास लिखने का उनका यह सफर 1936 में 'गोदान' के उफ़क तक पहुंचा।

प्रेमचंद के उपन्यासों में 'गोदान' सबसे ज़्यादा मशहूर हुआ और विश्व साहित्य में भी उसका बहुत महत्वपूर्ण स्थान है। एक सामान्य किसान को पूरे उपन्यास का नायक बनाना भारतीय उपन्यास परंपरा की दिशा बदल देने जैसा था। गोदान पढ़कर महसूस होता है कि किसान का जीवन सिर्फ़ खेती से जुड़ा हुआ नहीं होता। उसमें सूदखोर जैसे पुराने ज़माने की संस्थाएं तो हैं ही नए ज़माने की पुलिस, अदालत जैसी संस्थाएं भी हैं। यह सब मिलकर होरी की जान लेती हैं। होरी की मृत्यु पाठकों के ज़हन को झकझोर कर रख देती है। गोदान का कारुणिक अंत इस बात का गवाह है कि तब तक प्रेमचंद का आदर्शवाद से मोहभंग हो चुका था। उनकी आख़िरी दौर की कहानियों में भी ये देखा जा सकता है। जीवन के आख़िरी दिनों में वे उपन्यास मंगलसूत्र लिख रहे थे जिसे वे पूरा नहीं कर सके।लंबी बीमारी के बाद 8 अक्टूबर 1936 में उन्होंने आख़िरी सांसें लीं। प्रेमचंद अपने उपन्यासों में भारतीय ग्रामीण जीवन

को केंद्र में रखते थे। प्रेमचंद ने हिंदी उपन्यास को जिस ऊंचाई तक पहुंचाया वोपीढ़ियों के उपन्यासकारों के लिए एक चुनौती बनी रही। प्रेमचंद के उपन्यास और कहानियों का भारत और दुनिया की कई भाषाओं में अनुवाद हुआ है।

इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के 32 छात्र संख्या उपस्थित थे।

मुख्य अतथि डॉ .सिंधु हाळदे का स्वागत करते हुए प्रोफेसर दत्तात्रय येडले

छात्रों को मार्गदर्शन करते हुए डॉ. सिंधू हाळदे, हिंदी विभाग दगडूजीराव देशमुख महाविद्यालय वाळूज छत्रपती संभाजीनगर

छात्रों को मार्गदर्शन करते हुए डॉ. सिंधू हाळदे, हिंदी विभाग दगडूजीराव देशमुख महाविद्यालय वाळूज छत्रपती संभाजीनगर

2) हिंदी सप्ताह

हिंदी सप्ताह:- राष्ट्रभाषा हिंदी विभागद्वारा हिंदी सप्ताह की भूमिका (14 **से** 20 **सितंबर** 2023):-

प्रिय छात्रों नमस्कार!

आप सभी को हिंदी दिन की हार्दिक शुभकामनाएँ जिसप्रकार किसी राष्ट्र की सम्प्रभुता एवं स्वाभिमान का प्रतिक ध्वज एवं राजविन्ह होता है ठीक उसी प्रकार राष्ट्र की संस्कृति एवं भाषा भी उसके आत्मगौरव और अस्मिता का प्रतिक होती है। भारत बहुभाषी राष्ट्र है और इसमें बहुसंख्याक लोगों द्वारा बोली जानेवाली भाषा हिंदी है। राष्ट्र के जागरण एवं स्वाधीनता आंदोलन में हिंदी का महान योगदान रहा है। इसीलिए उसे भारत सरकार ने 14 सितंबर 1949 को राजभाषा के रूप में स्विकार किया है और तब से हम भारतीय 14 सितंबर को हिंदी दिन मनाते है।

और उसी दिन अपने महाविद्यालय का राष्ट्रभाषा हिंदी विभाग सन 2005 से हिंदी दिन के उपलक्ष्य में केवल 14 सितंबर को एक दिन का हिंदी दिवस ज मनाते हुए पुरे सप्ताह का (14 से 20 सितंबर) आयोजन करता है। इस सप्ताह में काव्यवाचन, काव्यलेखन कहानी लेखन कहानी वाचन, निबंध लेखन, लेखन शुध्दता, भाषण और हिंदी सामान्य ज्ञान आदि प्रतियोगिताओं का छात्राओं के लिए आयोजन करता आ रहा है। जो हमारे छात्रों को

1, आज की स्पर्धात्मक दौड़ में अग्रणी बने रहने के लिए

2. उनकी शान विवासा, जिज्ञासा, वर्तमान परिवेश की माँग को पुरा करने में

. साहित्य के प्रति अभिरूचि निर्माण करने में

4. जीवन मूल्यों के प्रति आस्था निर्माण करने मे

5. पूरे आत्मविश्वास और निर्भिकता से मंच पर खड़ा होकर सबको संबोधित करने के लिए

6. रंगमंच एवं अभिनय कलाओं से परिचित कराने में

7. अपने लक्ष को निर्धारित करने में

8 अपने व्यक्तित्व को सँवारने के लिए मददगार साबित हो रहा है।

इसीलिए हमारे विभाग के भूतपूर्व अध्यापकों द्वारा निर्माण की गई यह हिंदी सप्ताह की परम्पराएँ हम आपके लिए आगे बढ़ा रहे हैं। आप सभी इसमें सम्मेलित होकर इस सप्ताह को सफल बनाएँ। हमारी यह मान्यता है की छात्र कल का ही नहीं, आज का भी नागरीक है। देश के जिवन मे एवं विकास में उसे सहभागी होकर महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है। जो जिवन के प्रत्येक क्षेत्र में खुद को और राष्ट्र को योग्य नेतृत्व प्रदान करने में समर्थ साबित होगी।

हिंदी विभाग का संकल्प और दिशा

"कल के लिए सामाजिक दृष्टि से ऐसे सजग एवं जागरूक, भारतीय छात्रों का निर्माण करना चाहते है। जो जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में राष्ट्र का प्रबुध्द एवं योग्य नेतृत्वप्रदान करने में समर्थ होंगे।"

आपके स्वर्णिम भविष्य के लिए शुभकामनाएँ।

हिंदी सप्ताह (14 से 20 सितंबर 2023) वर्ष 2023-24

राष्ट्रभाषा हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में प्रति वर्ष परंपरा के अनुसार 14 से 20 सितंबर 2023 के दौरान विभिन्न प्रयोतिगिताओं के माध्यम से हिंदी सप्ताह का आयोजन किया गया।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय शिक्षण संस्था संचलित,

श्री संत सावता माळी ग्रामीण महाविद्यालय, फुलंब्री, जि. छत्रपती संभाजीनगर

हिंदी विभाग – भारतेंदु हरिश्चंद्र कक्ष

हिंदी सप्ताह - विभिन्न प्रतियोगिताएं

तिथि : 14 से 21 सितंबर 2024

क्रमांक	तिथि	प्रतियोगिता	विषय / स्वरूप
1	14 सितंबर 2024	**काव्य लेखन**	अपनी रुचि के अनुसार
2		**हिंदी शेर सुविचार**	कोई 10 शेर सुविचार
3		**निबंध लेखन**	भारतीय ज्ञान परंपरा
4	18 सितंबर 2024	**कहानी लेखन**	अपनी रुचि के अनुसार
5		**काव्य वाचन**	कविता का पठान
6	19 सितंबर 2024	**कहानी कथन**	कोई एक कहानी
7		**भाषण प्रतियोगिता**	भारतीय ज्ञान परंपरा
8	20 सितंबर 2024	**लेखन शुद्धता**	बताए हुए परिच्छेद का व्याकरण
9		**हिंदी सामान्यज्ञान प्रतियोगिता**	हिंदी भाषा एवं साहित्य के प्रश्न
10	21 सितंबर 2024	**भित्तिपत्रिका प्रतियोगिता**	
		हिंदी सप्ताह समापन समारोह	आमंत्रित अतिथि

हिंदी विभाग – भारतेंदु हरिश्चंद्र कक्ष

हिंदी सप्ताह - विभिन्न प्रतियोगिताएं

तिथि : 14 सितंबर 2024

हिंदी शेर-सुविचार प्रतियोगिता

तिथि : 18 सितंबर 2024

काव्य वाचन प्रतियोगिता

हिंदी सप्ताह के उपलक्ष में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिता में सम्मिलित छात्र-छात्राएं

तिथि : 19 सितंबर 2024

कहानी कथन प्रतियोगिता

हिंदी सप्ताह के उपलक्ष में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिता में सम्मिलित छात्र-छात्राएं

तिथि : 19 सितंबर 2024

भाषण प्रतियोगिता

हिंदी सप्ताह के उपलक्ष में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिता में सम्मिलित छात्र-छात्राएं

तिथि : 21 सितंबर 2024

भित्तिपत्रिका प्रतियोगिता

श्री संत सावता माळी ग्रामीण महाविद्यालय,
फुलंब्री, जि. छत्रपती संभाजीनगर

हिंदी विभाग – भारतेंदु हरिश्चंद्र कक्ष

हिंदी सप्ताह समापन समारोह

तिथि : 21 सितंबर 2024

हिंदी सप्ताह समापन समारोह में मार्गदर्शन करते हुए मुख्य अतिथि

हिंदी सप्ताह समापन समारोह - मुख्य वक्ता: डॉ. बालाजी जाकरे (हिंदी विभाग, वसंतराव नाईक महाविद्यालय छत्रपती संभाजीनगर) हिंदी सप्ताह के समापन समारोह में कुल सहभागी छात्र -54

राष्ट्रभाषा हिंदी सप्ताह- सिंतबर 2024 विभिन्न प्रतियोगिताओ के निकाल

श्री संत सावता माळी ग्रामीण महाविद्यालय,
फुलंब्री, जि. छत्रपती संभाजीनगर

हिंदी विभाग – भारतेंदु हरिश्चंद्र कक्ष

हिंदी सप्ताह - विभिन्न प्रतियोगिताएं

तिथि : 14 से 21 सितंबर 2024

निकाल

अक्र.	प्रतियोगिता		छात्रछात्राए ँ-	कक्षा
1	काव्य लेखन	प्रथम	पायल कचरू तावरे	बी एस्सी द्वितीय वर्ष
		द्वितीय	सोनिया सुभाष राऊत	बी एस्सी प्रथम वर्ष
2	शेर सुविचार	प्रथम	शिवानी गणेश जाधव	बी एस्सी प्रथम वर्ष
		द्वितीय	नयन रामदास मैंद	बी एस्सी प्रथम वर्ष
3	निबंध लेखन	प्रथम	संजीवनी रंगनाथ राऊत	बी एस्सी प्रथम वर्ष
		द्वितीय	आदिती नारायण वाघ	बी एस्सी प्रथम वर्ष
4	कहानी लेखन	प्रथम	ऋतुजा गंगाधर कदम	बीए द्वितीय वर्ष
		द्वितीय	निकिता संतोष सिहारे	बीएस्सी द्वितीय वर्ष
5	काव्य वाचन	प्रथम	कावेरी बाळू तावडे	बीए प्रथम वर्ष
		द्वितीय	ऋतुजा गंगाधर कदम	बीए द्वितीय वर्ष
6	कहानी कथन	प्रथम	रूपाली भाऊसाहेब उबाळे	बीए द्वितीय वर्ष
		द्वितीय	आदित्य गणेश वाघ	बीए द्वितीय वर्ष
7	भाषण	प्रथम	आरती प्रधान	बी कॉम तृतीय वर्ष
		द्वितीय	राधा मिसाळ	बी कॉम तृतीय वर्ष
8	लेखन शुद्धता अशुद्धी शोधन))	प्रथम	फिरदोस पटेल	बी ए प्रथम वर्ष
		द्वितीय	पायल कचरू तावरे	बीएस्सी द्वितीय वर्ष
9	हिंदी सामान्यज्ञान प्रतियोगिता	प्रथम	समाधान नथू दांगोडे	बीए द्वितीय वर्ष
		द्वितीय	शिवा दांगोडे	बीए द्वितीय वर्ष
10	समापन समारोह		मुख्य वक्ता : डॉ. बालाजी जाकरे	हिंदी विभाग, वसंतराव नाईक महाविद्यालय छत्रपती संभाजीनगर

राष्ट्रभाषा हिंदी की और से हिंदी सप्ताह (तिथि 14 से 20 सितंबर 2024 के उपलक्ष्य में सभी छात्र-छात्राओं के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था।

इन प्रतियोगिताओं में सहभागी होनेवाले प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र एवं किताब भेंट दिया गया। अतः सभी छात्र-छात्राओं ने इसमें सहभागी होकर हिंदी सप्ताह संपन्न किया।

हिंदी सप्ताह के दौरान ली गई विभिन्न प्रतियागिताओं में प्रथम तथा द्वितीय स्थान प्राप्त करनेवाले छात्रों के नाम समापन समारोह में घोषित किए गए। इन्हीं छात्रों को वार्षिक स्नेहसंमेलन मे प्रमाणपत्र दिए गए।

पंडीत दीनदयाळ उपाध्याय शिक्षण संस्था संचलित

श्री संत सावता माळी ग्रामीण महाविद्यालय

फुलंब्री, जि. छत्रपती संभाजीनगर

हिंदी विभाग

राष्ट्रभाषा हिंदी सप्ताह २०२४-२०२५

प्रमाणपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि

श्री/कुमारी. .... छात्र/छात्रा ने

१४ से २० सितबंर को आयोजित काव्य वाचन/ कहानी कथन/लेखन शुध्दता/भाषण/ कहानी/काव्य/निबंध लेखन/हिंदी शेर-सुविचार/ हिंदी सामान्यज्ञान प्रतियोगिताओं में सहभाग लिया।

आपने इस प्रतियोगिता में प्रथम/द्वितिय/तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसलिए यह प्रमाणपत्र प्रधान किया जाता है।

आपका कर्तृत्व भारत माँ के चरणों में समर्पित हो ।

प्रा. सुरेश मुंढे	प्रा. दत्तात्रय येडले	डॉ. सुभाष टकले
प्राध्यापक	हिंदी विभाग प्रमुख	प्रधानाचार्य

3. भारतीय ज्ञान परंपरा - त्योहार एवं उत्सव - 07-10-2024

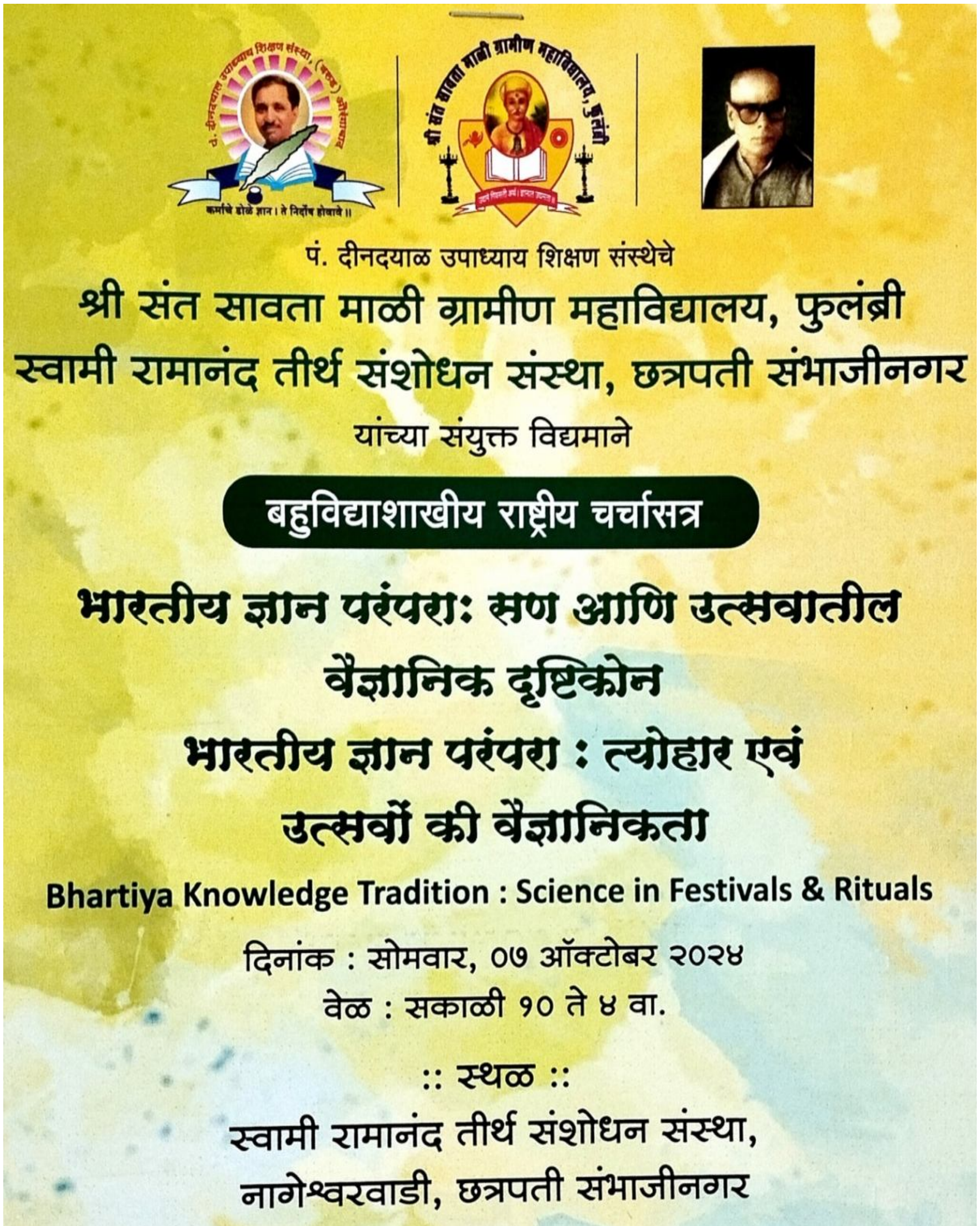

07 अक्टूबर 2024 को श्री संत सावता माली ग्रामीण महाविद्यालय के हिंदी, मराठी, अंग्रेजी और स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाड़ा अनुसंधान केंद्र संभाजीनगर के सहयोग से एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन तिथि 07 अक्टूबर 2024 को किया गया। इस अवसर पर डा. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय छत्रपती संभाजीनगर के मा. राज्यपाल द्वारा नियुक्त किये प्रबंधन परिषद के सदस्य प्रो. डॉ. गजानन सानप, बीजभाषक के रूप मे श्री कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास, मथुरा के सचिव मा. सुदर्शन महाराज कपाटे उपस्थित थे। इस समय महाविद्यालय के प्राचार्य डा. एस. आर. टकले की

प्रमुख उपस्थिति रही। पंडित दीनदयाल उपाध्याय शिक्षा संस्था के सचिव मा. श्री निवृत्तीजी गावंडे उपस्थित थे। डॉ. अश्विन रांजणीकर ने सेमिनार की समग्र भूमिका प्रस्तुत की।

उदघाटन सत्र : १० ते १२

उदघाटक : प्रा. डॉ. गजानन सानप
मा. राज्यपाल नियुक्त व्यवस्थापन परिषद सदस्य,
डॉ. बा. आं. म. विद्यापीठ, छ. संभाजीनगर

:: बीजभाषक ::
मा. सुदर्शन महाराज कपाटे
सचिव, श्रीकृष्ण जन्मभूमी मुक्ति न्यास, मथुरा

:: प्रमुख उपस्थिती ::
डॉ. सुभाष टकले
प्राचार्य

प्रा. डॉ. प्रविण वक्ते
संचालक, संतपीठ, पैठण

:: अध्यक्ष ::
मा. निवृत्ती गावंडे
सचिव, पं. दीनदयाळ उपाध्याय शिक्षण संस्था

प्रथम सत्र : १२ ते १ ● विषय : भारतीय ज्ञान परंपरा

:: प्रमुख वक्ते ::

प्रा. डॉ. भारती गोरे
हिंदी विभाग, डॉ. बा. आं. म. विद्यापीठ,
छत्रपती संभाजीनगर

डॉ. नरसिंह कदम
छ. शाहु महाविद्यालय

१ ते २ भोजन अवकाश

द्वितीय सत्र - २ ते ३ ● विषय : सण आणि उत्सवातील वैज्ञानिकता

:: प्रमुख वक्ते ::

प्रा. डॉ. संजय राठोड
विभागप्रमुख, हिंदी विभाग,
डॉ. बा. आं. म . विद्यापीठ, छत्रपती संभाजीनगर

प्रा. डॉ. प्रमोद कुमावत
राज्य शिक्षण प्रशिक्षण संस्था,
जालना

प्रा. डॉ. ऋषी बाबा शिंदे
मॉडेल महाविद्यालय, घनसावंगी

डॉ. सविता मुळे
मुख्याध्यापिका, शारदा मंदिर विद्यालय

समारोप सत्र : ३ ते ४ ● सण आणि उत्सवातील वैज्ञानिकता

:: प्रमुख वक्ते ::

प्रा. डॉ. सर्जेराव जिगे
अध्यक्ष, मराठी भाषा अभ्यास मंडळ,
डॉ. बा. आं. म. विद्यापीठ, छत्रपती संभाजीनगर

सौ. जागृती जहागिरदार
कीर्तनकार

:: अध्यक्ष ::
प्राचार्य डॉ. प्रदिप जब्दे
संचालक, पं. दीनदयाळ उपाध्याय शिक्षण संस्था

:: प्रमुख उपस्थिती ::
पं. आनंद मिश्रा
संस्थापक. श्री पारदेश्वर संस्थान, पळशी

उद्घाटनकर्ता के रूप में बोलते हुए डॉ. सानप ने कहा कि 'भारतीय ज्ञान परंपरा संस्कृति को संरक्षित और समृद्ध करने वाली है। हमें भारतीय ज्ञान परंपरा के त्योहारों एवं उत्सवों के वैज्ञानिक दृष्टिकोण को जानना चाहिए। इसके अलावा, विभिन्न प्राचीन प्रथाओं में बड़ी मात्रा में वैज्ञानिक दृष्टिकोण अंतर्निहित है। यह कहते हुए उन्होंने नागिली पत्ते के विडा का जिक्र किया। ज्ञानात्मक अनुसंधान प्रत्येक भारतीय अभ्यास में अंतर्निहित है। हम सभी को इस पर अनुसंधान कार्य करना चाहिए और सोचना चाहिए कि हम उस ज्ञान को अगली पीढ़ी तक कैसे पहुंचा सकते हैं। वक्ता के रूप में बोलते हुए मा. सुदर्शन महाराज कपाटे ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा अत्यंत प्राचीन है। यह ज्ञान विभिन्न सम्प्रदायों में निहित है। उनमें महाराज ने महानुभाव सम्प्रदाय के अनुसार उसकी व्याख्या की। उन्होंने

महीमभट का उदाहरण देकर ज्ञान और अहंकार की चर्चा की। उन्होंने आगे भारतीय ज्ञान परंपरा के उज्ज्वल भविष्य के बारे में अपने विचार व्यक्त किये। संगोष्टी का अध्यक्षीय समापन संस्था के सचिव श्री निवृत्तीजी गावंडे ने किया.

इस अवसर पर क्षेत्र के कुछ महाविद्यालयों के भाषा विभागों के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किये गये। इस पर संबंधित महाविद्यालयों के प्राचार्यों एवं विभागाध्यक्षों ने भी हस्ताक्षर किये।

सेमिनार के प्रथम सत्र का विषय भारतीय ज्ञान परंपरा यह था। इस सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में प्रोफेसर भारती गोरे, हिंदी विभाग, डाॅ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय छत्रपति संभाजी नगर तथा इस सत्र के अध्यक्ष के रूप में छ. शाह शाहू महाविद्यालय लातूर स्टेशन के मराठी विभाग प्रमुख के प्रोफेसर नरसिंह महाराज कदम उपस्थित थे। प्रो. डॉ. भारती गोरे ने भारतीय ज्ञान परंपरा : त्यौंहार एवं उत्सवों मे स्थित वैज्ञानिक दृष्टी इस विषय का विस्तृत विवेचन किया।

डॉ. भारती गोरे ने भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत त्योहारों और उत्सवों के बारे में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को विस्तार से विवेचन किया। साथ में डॉ. नरसिम्हा कदम द्वारा हर मामले में किस प्रकार ज्ञान भरा है और हमें उसे प्रबुद्ध मन से देखना चाहिए ऐसा कहा। कीर्तन परंपरा और काले का कीर्तन के पीछे क्या सोच है? इस संदर्भ में भी विचार व्यक्त किया। सेमिनार के तीसरे सत्र में विभिन्न महाविद्यालयों से आए छात्र-छात्राओं की संबंधित सेमिनार के विषय के अनुरूप भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस समय आठ प्रतियोगियों ने भाग लिया। इसमें क्रमशः

प्रथम क्रमांक अश्विनी वनारसे (एमजीएम विश्वविद्यालय, छत्रपती संभाजीनगर)

द्वितीय क्रमांक - श्रुति जहागीरदार - (एमपी लॉ कॉलेज, छत्रपती संभाजीनगर)

तृतीय क्रमांक - प्रथमेश गिरी- (एमपी लॉ कॉलेज) के छात्र ने सफलता हासिल की।

इन यशस्वी विद्यार्थियों को गणमान्य व्यक्तियों द्वारा पुरस्कार दिये गये। इस कार्यक्रम के तृतीय सत्र के मुख्य वक्ता के रूप में राज्य शिक्षा प्रशिक्षण संस्थान, जालना के प्रो. डॉ. प्रमोद कुमावत एवं शारदा मंदिर विद्यालय के प्राचार्य डाॅ. सविता मुले ने उपस्थित सभी प्राध्यापकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया।

इस राष्ट्रीय संगोष्टी के समापन सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए डाॅ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय के मराठी भाषा मंडल के अध्यक्ष प्रो. डॉ. सर्जेराव जिगे ने भारतीय ज्ञान परंपरा के अनुरूप विभिन्न पहलुओं का जिक्र करते हुए उसका वैज्ञानिक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। समापन सत्र का अध्यक्षीय मंतव्य पंडित दीनदयाल उपाध्याय शिक्षा संस्था के संचालक, प्राचार्य डाॅ. प्रदीप जब्ड़े ने व्यक्त किया। डाॅ. जब्दे ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा और भाषा के साथ-साथ व्याकरण भी महत्वपूर्ण है। साथ ही, भारतीय ज्ञान परंपरा के कारण, रामायण, महाभारत ग्रंथों का

उल्लेख करते हुए, हमें केवल उन्हें पढ़ना ही नहीं है बल्कि उनमें निहित वैज्ञानिक दृष्टि खोजने की आवश्यकता है।

इस राष्ट्रीय सेमिनार के लिए कुल 126 प्रोफेसरों और विद्वानों ने पंजीकरण किया था और वे कार्यक्रम में प्रत्यक्ष रूप में उपस्थित थे। सेमिनार में उपस्थित प्रोफ़ेसर एवं गणमान्य व्यक्तियों का धन्यवाद ज्ञापन डॉ. आश्विन राजणीकर ने किया। सेमिनार की सफलता के लिए प्रो. डॉ। राजश्री पवार, प्रो. डॉ. दत्तात्रय येडले, प्रो. डॉ. सुरेश मुंढे, प्रो. डॉ. संजीव कुमार पांचाल, श्री विनोद तुपे, श्री रत्नाकर जाधव ने प्रयास किये।

4) अंतर्राष्ट्रीय वेबीनार (ई-संगोष्ठी) - वैश्विक पटल पर हिंदी के बढते चरण

तिथि: 05 फरवरी 2025

अंतर्राष्ट्रीय वेबीनार ई-संगोष्ठी वैश्विक पटल पर हिंदी के बढ़ते चरण इस वेबीनार का आयोजन प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान के आर्थिक सहयोग से पंडित दीनदयाल उपाध्याय शिक्षण संस्था संचालित श्री संत सावता माली ग्रामीण महाविद्यालय फुलंब्री जिला छत्रपति संभाजीनगर के हिंदी विभाग द्वारा 5 फरवरी 2025 को आयोजन किया गया।

इस वेबीनार के उद्घाटन सत्र में उद्घाटक डॉ. हंसा दीप अध्यापक यूनिवर्सिटी ऑफ़ टोरंटो से ऑनलाइन उपस्थित थी बीजभाषाक के रूप में डॉ. गीता नायक, आचार्य विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन मध्यप्रदेश से जुड़ी हुई थी और इस उद्घाटन सत्र के अध्यक्ष के रूप मे डॉ. सर्जेराव ठोंबरे, संचालक पंडित दीनदयाल उपाध्याय शिक्षण संस्था छत्रपति संभाजीनगर इनकी उपस्थिती थी।

इस वेबीनार के द्वितीय सत्र में दोपहर 12 से 1 के दरम्यान विदेश में हिंदी अध्ययन अध्यापन इस विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. राहुल सिद्धार्थ जी ने मार्गदर्शन किया और इस सत्र की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. लियाकत शेख इन्होंने की.

इस के बाद तृतीय सत्र दोपहर 2 से 3 के दरमियान संपन्न हुआ इस सत्र का विषय कार्यालयीन कामकाज में हिंदी की भूमिका यह था इस विषय पर डॉ. कुसुम लता, दौलतराम महाविद्यालय दिल्ली विश्वविद्यालय इन्होंने मार्गदर्शन किया इस सत्र की अध्यक्षता डॉ बाबासाहेब अंबेडकर विश्वविद्यालय के हिंदी अध्ययन मंडल की अध्यक्ष डॉ अपर्णा पाटील इन्होंने किया .

इसके बाद समापन समारोह दोपहर 3 से 4 बजे के दरम्यान संपन्न हुआ. इस सत्र में प्रमुख अतिथि के रूप में डॉ. किरण झा सहायक निदेशक केंद्रीय हिंदी निदेशालय, उच्चतर शिक्षा विभाग शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार इनकी उपस्थिति थी इस सत्र के अध्यक्ष के रूप में श्री निवृत्ति गावंडे सचिव पंडित दीनदयाल उपाध्याय शिक्षण संस्था उपस्थित थेI इस वेबीनार में सम्मिलित प्रतिभागियों की संख्या लगभग 439 से ऊपर थी। इसप्रकार वैश्विक पटल पर हिंदी के बढ़ते चरण इस विषय को लेकर महाविद्यालय की ओर से इस अंतरराष्ट्रीय वेबीनार ई-संगोष्ठि का सफल आयोजन किया गया।

5) एकदिवसीय कार्यशाला - NEP - 2020 कार्यान्वयन: एकाधिक प्रवेश और एकाधिक निर्गमन - 06 दिसंबर 2024

प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान (पीएम-उषा) के वित्तीय सहयोग एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय शिक्षण संस्थान द्वारा संचालित श्री संत सावता माली ग्रामीण महाविद्यालय, फुलंब्री के सहयोग से "नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का क्रियान्वयन: मल्टीपल एंट्री एवं मल्टीपल एग्जिट" विषय पर 6 दिसंबर 2024 को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्घाटन डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय के मानविकी संकाय के डीन डॉ. संजय सालुंके द्वारा किया गया। इस अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय शिक्षण संस्था के आमंत्रित सदस्य प्राचार्य डॉ. प्रदीप जब्दे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यशाला का उद्घाटन पंडित दीनदयाल उपाध्याय शिक्षण संस्था के सचिव माननीय निवृति गावंडे द्वारा किया गया।

कार्यशाला का प्रास्ताविक महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. एस. आर. टकले ने किया। उद्घाटन सत्र में बोलते हुए, डॉ. सालुंके ने कहा कि उन्होंने नई शिक्षा नीति, वैश्वीकरण और भारतीय ज्ञान परंपरा के अनुरूप अपने विचार व्यक्त किए। हमारे छात्र प्राचीन विश्वविद्यालय में पढ़ रहे थे। यह नहीं भुलाया जा सकता कि वहां का ज्ञान पारंपरिक था। इससे पता चलता है कि गुरु की अवधारणा महत्वपूर्ण थी। यह राय व्यक्त की गई। उद्घाटन सत्र में प्राचार्य डॉ. प्रदीप जब्दे ने नई शिक्षा नीति में हुए बदलावों पर चर्चा की। छात्रों से संदर्भ, विषय चयन और कौशल के बारे में परामर्श किया गया। समापन समारोह में अध्यक्षीय वक्तव्य संस्था के सचिव माननीय निवृत्ती गावंडे जी ने किया।

कार्यशाला के प्रथम सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. संजय सालुंके उपस्थित थे। इन्होंने छात्रों को मार्गदर्शन किया। प्रथम सत्र के अध्यक्ष डॉ. कैलाश इंगले जी थे।

कार्यशाला के दूसरे सत्र के मुख्य वक्ता इंद्रराज कॉलेज, सिल्लोड के प्राचार्य डॉ. वेंकटेश लांब उपस्थित थे। उन्होंने विद्यार्थियों को नई शिक्षा नीति और उसमें किए गए बदलावों के बारे में बताते हुए कहा कि उन्हें मनचाही शिक्षा मिल रही है। छात्रों को इसका लाभ उठाना चाहिए। इसके अलावा, आपको नवीनतम कौशल भी हासिल करना होगा। और इस शिक्षा नीति के माध्यम से छात्रों को उन कौशलों को हासिल करने का अवसर मिलेगा। यह नीति विद्यार्थियों को यह चुनने का अवसर भी देती है कि उन्हें कब प्रवेश करना है और कब बाहर निकलना है। छात्रों को इस बारे में सोचना चाहिए, यह राय व्यक्त की गई। समापन सत्र की अध्यक्षता करते हुए यशवंतराव चव्हाण महाविद्यालय, सिल्लोड के प्राचार्य डॉ. अशोक पंडित ने कहा कि पहले गुरुकुल प्रणाली थी और उस प्रणाली के अनुसार छात्रों की रुचि के अनुसार शिक्षा प्रदान करने का प्रयास किया जाता था। लेकिन अब ऐसा होता नहीं दिख रहा है। इसलिए, हमने यह नई शिक्षा नीति अपनाई है। तदनुसार, इस बात पर राय व्यक्त की गई कि क्या किया जाए और आगे क्या किया जाए।

कार्यशाला के समापन सत्र में डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय भूतपूर्व डीन, मुख्य वक्ता के रूप में विलास खंडारे उपस्थित थे उन्होंने विद्यार्थियों को नई शिक्षा नीति के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। समारोह की अध्यक्षता अपने कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एस आर टकले ने कार्यशाला का समापन किया। डॉ. दत्तात्रय येडले ने समापन सत्र में उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों और छात्रों का धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यशाला का संचालन प्रोफेसर डॉ. डॉ। आश्विन रांजनीकर, प्रो. डॉ मंजूषा

नलगिरकर ने किया। प्रो. डॉ महेश थोरात एवं प्रो. डॉ दत्तात्रेय येडले ने इस कार्यशाला में उपस्थित मान्यवर ऑन एवं छात्रों का आभार ज्ञापन किया।

प्रस्तुत कार्यशाला में 170 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की सफलता के लिए प्रो. डॉ दत्तात्रेय येडले, प्रो. डॉ महेश थोराट, प्रो. उज्ज्वला शिंदे और सभी प्रोफेसरों ने कड़ी मेहनत की। इस अवसर पर महाविद्यालय में शारीरिक शिक्षा विभागाध्यक्ष डाॅ. संदीप जगताप, प्रो. डॉ। पांडुरंग कल्याणकर, डॉ. राजश्री पवार, डाॅ. मंजूषा नलगिरकर, डॉ. रामकिशन लोमटे, डॉ. सुरेश मुंढे, डाॅ. संजीव कुमार पांचाल, डाॅ. आश्विन रांजनीकर, डॉ. महेश थोरात, डॉ. नितिन मालेगांवकर, डॉ. गणेश कुलकर्णी, प्रो. चंद्रनारायण वाघमारे, प्रो. अरुण परदेशी, प्रो. अभिजीत कंद, प्रो. उज्ज्वला साबने, प्रो. स्वाति ढंगारे, श्री दयानंद कांबले, श्री प्रेम चव्हाण, श्री. बाबासाहेब दाभाड़े, श्री. विनोद तुपे, श्री. जयराम जाधव, श्री. रत्नाकर जाधव, श्री. रमेश जगधने एवं महाविद्यालय के विद्यार्थी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री-उच्चतर शिक्षा अभियान (पीएम उषा) यांच्या अर्थसहाय्याने
पंडित दीनदयाल उपाध्याय शिक्षण संस्था संचलित

श्री संत सावता माळी ग्रामीण महाविद्यालय

फुलंब्री, जि. छत्रपती संभाजीनगर आयोजित

एकदिवसीय कार्यशाळा

NEP २०२० अंमलबजावणी : एकाधिक प्रवेश आणि एकाधिक निर्गमन

(Implementing NEP 2020: Multiple Entry & Multiple Exit)

प्रमाणपत्र

प्रमाणित करण्यात येते की

श्री / कुमारी ____________________

आपण NEP-२०२० अंमलबजावणी : एकाधिक प्रवेश आणि एकाधिक निर्गमन (Multiple Entry and Multiple Exit) या विषयावर आयोजित एकदिवसीय कार्यशाळेत उपस्थित राहिल्याबद्दल आपणास प्रमाणपत्र प्रदान करण्यात येत आहे.

शुक्रवार, दि. ६ डिसेंबर, २०२४

प्रोफेसर दत्तात्रय येडले प्रवेश समिती कला शाखा	डॉ. महेश थोरात प्रवेश समिती वाणिज्य शाखा	श्रीमती उज्वला साबणे प्रवेश समिती विज्ञान शाखा	डॉ. सुभाष टकले प्राचार्य, श्री. सं. सा. मा. ग्रा. म. फुलंब्री

6. मातृभाषा स्वाक्षरी अभियान

21 फरवरी 2024 जागतिक मातृभाषा दिवस के उपलक्ष में मातृभाषा स्वाक्षरी अभियान का` आयोजन हिंदी, मराठी एवं अंग्रेजी विभाग ने संयुक्त रूप से किया। इस उपक्रम के अंतर्गत महाविद्यालय के अध्यापक एवं सभी छात्र-छात्राओं ने अपनी अपनी मातृभाषा में अपने हस्ताक्षर किए तथा कार्यक्रम को सफल एवं सार्थक बनाया।

मातृभाषा हस्ताक्षर अभियान में सम्मिलित

7. हिंदी अतिथि अध्यापक वर्ग

1. **डॉ शीतल बियानी** हिंदी विभाग
   राजश्री शाहू महाविद्यालय वालुज छत्रपति संभाजी नगर
   तिथि 31 जुलाई 2024

2. **डॉ. बेबी सुरेंद्र सिंह** हिंदी विभाग

फोस्टर डेव्हलपमेंट महाविद्यालय, छत्रपती संभाजीनगर

तिथि : 14/02/2025

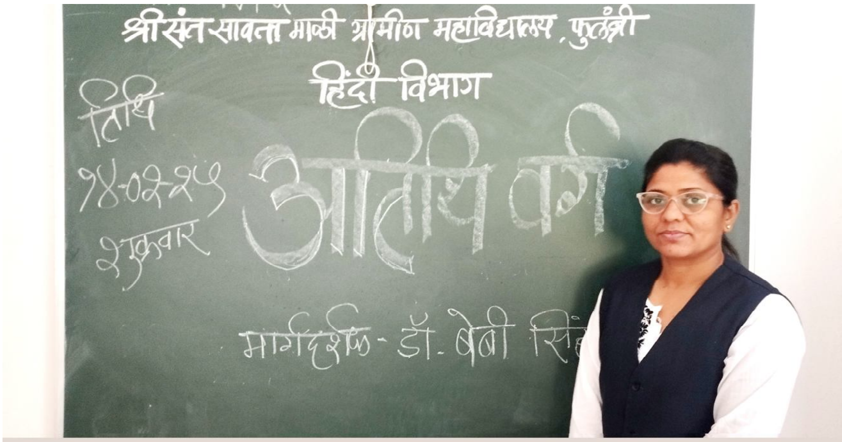

तिथि - 14 फरवरी 2025, सहभागी छात्र -21

8. छात्र अध्ययन यात्रा - 2025

कृषि एवं डेयरी प्रदर्शनी फुलंब्री, छत्रपति संभाजी नगर को आयोजन किया गया था.
इस यात्रा मे 27 छात्र छात्रा संमिलित हूय! . तिथि: 08 मार्च 2025

9. भित्ति पत्रिका

1. **नारी शक्ति** -
   डॉ बालाजी जोकरे - हिंदी विभाग अध्यक्ष, वसंतराव निक महाविद्यालय छत्रपती संभाजीनगर
   तिथि : 21 सितंबर 2024

भित्ति पत्रिका का विमोचन करते हुए अध्यापक एवं छात्र छात्राएं

2. **महादेवी वर्मा**
   डॉ. दत्ता कोल्हारे हिंदी विभाग विवेकानंद महाविद्यालय छत्रपती संभाजीनगर
   तिथि : 15 **फरवरी** 2025

भित्ति पत्रिका का विमोचन करते हुए अध्यापक एवं छात्र छात्राएं

10. हिंदी अध्यापन में सूचना प्रौद्योगिकी तकनीकी का प्रयोग

1) Youtube Chanal
2) Zoom Meetin

3) Google Meeting

4) Online Question Paper Setting

5) Whatapp Group SMS, Syllabus

6) SMS Facility

ऑनलाइन अध्यापन पद्धति से जानकारी लेते हुए छात्र- छात्राएं

11. विभाग में आगमनस्त मान्यव

12. प्रकल्प कार्य

बीए तृतीय वर्ष के मुख्य विषय के छात्रों के लिए विश्वविद्यालय ने दी गई सूचनाओं के अनुसार प्रकल्प कार्य स्वयं 100 **अंको की परीक्षा हिंदी विभाग स्तर पर ली गई**

बीकॉम प्रथम, द्वितीय वर्ष (B.**कॉम.** I&II) **के मार्च-अप्रैल** 2025 **के छात्रों का प्रकल्प कार्य पूरा किया - तिथि :** 19 **अप्रैल** 2025

13. शैक्षिक वर्ष 2023-24 का हिंदी विभाग के अध्यापकों का कार्यभार

Semester I/III/V & II/IV/VI

डॉ. दत्तात्रय लक्ष्मण येडले

अ.क्र.	कक्षा	पेपर	सप्ताह की तासिकाएं	पेपर का नाम
1	बीए प्रथम वर्ष	II, IV	2+4	संभाषण कौशल SEC / / रचनात्मक लेखन कौशल VSC -2
	बीएस्सी, बीकॉम प्रथम वर्ष	I, II	2+4	हिंदी सिनेमा और साहित्य OE / GE / हिंदी की राष्ट्रीय काव्य धारा OE/GE 2
2	बीए. बीएस्सी, बीकॉम द्वितीय वर्ष	S.L.	4	सामान्य हिंदी SL AECC
3	बीए. द्वितीय वर्ष	VI, VIII	4	नाटक साहत्य – SEC / एकांकी साहित्य – SEC
4	बीए. तृतीय वर्ष	X, XIII	4	हिंदी भाषा और लिपि DSC प्रयोजनमूलक हिंदी DSC
कुल तासिकाएं			24	

डॉ. सुरेश माधवराव मुंढे

अ.क्र.	कक्षा	पेपर	सप्ताह की तासिकाएं	पेपर का नाम
1	बीए प्रथम वर्ष	Mejar	4	हिंदी कथा साहित्य DSC / हिंदी नाट्य साहित्य DSC 4
2	बीकॉम प्रथम वर्ष	1	4	व्यक्तित्व विकास और जीवन कौशल AEC-1
4	बीए. द्वितीय वर्ष	V,VII	4	हिंदी साहित्य का इतिहास आधुनिक काल CC / कथेत्तर गद्य साहित्य CC
5	बीए. तृतीय वर्ष	IX, XII	4	साहित्य शास्त्र DSE/ साहित्य शास्त्र DSE
6	बीए. तृतीय वर्ष	XI, XIV	4	प्रादेशिक आत्मकथा साहित्य GE 11. OR प्रादेशिक नाटक साहित्य GE - 11 हिंदी व्यंग्य साहित्य GE OR हिंदी पद्य विविधा GE - paper - 14
कुल तासिकाएं			24	

14. शैक्षिक वर्ष 2023 24 हिंदी विभाग के पेपर के अनुसार छात्र छात्राओं की संख्या

Academic Year 2023-24 Category and Gender Wise Student List

	Class Total Students		Gender		Category					
			Male	Female	SC	ST	OBC	NT	Minority	GEN
2023-2024	B.A. First Year- SL (I , II)	**60**	37	23	14	1	11	12		22
	B.A. First Year-(opt) (I , II , III, IV)	**57**	31	26	15	1	7	11		23
	B.A. Second Year- SL (III, IV)	**23**	11	12		7	5	2		9
	B.A. Second Year -(opt) (V,VI, VII, VIII)	**21**	10	11	3		5	2		11
	B.A. Third Year(Sub) (IX, X, XIII, XIV)	**11**	6	5	1		4	2		4
	B.A. Third Year(Main) (XI, XII, XV, XVI) (	**5**	2	3			3	1		1

	Class Total Students		Gender		Category					
2023-2024			Male	Female	SC	ST	OBC	NT	Minority	GEN
	B.Com. First Year-(SL) (I, II)	**41**	25	16	8		4	8	2	18
	B.Com Second Year-(SL) (III, IV)	**30**	19	11	6		5	4		15

2023-2024	Class Total Students	Gender		Category					
		Male	Female	SC	ST	OBC	NT	Minority	GEN

	B.Sc. First Year-(SL) (I, II)	**29**	11	18	1	1	5	6	-	16
	B.Sc. Second Year-(SL) (III, IV)	**17**	13	04	2	-	4	5	-	6

15. शैक्षिक वर्ष 2022-23 का हिंदी विभाग के निकाल Result

Semester I/III/V & II/IV/VI

बीए, बीकॉम, बीएस्सी प्रथम, द्वितीय, तृतीय वर्ष के सत्र परीक्षाओं के निकाल

YEAR	CLASS	SL/Opt	PATTERN	PAPER	TOTAL STUDENT	EXAM. APPEAR	PASSED	Div I (A)	Div II	Div III	Passing%
2022-23	BAFY First Sem Oct-22	SL	40+10	I	47	45	45	23	18	04	100
		Opt	40+10	I	46	39	38	25	10	03	97.43
			40+10	II	46	39	38	24	11	03	97.43
	BAFY Second Sem Mar-23	SL	40+10	I	47	37	37	25	10	02	100
		Opt	40+10	III	46	35	35	18	15	02	100
			40+10	IV	46	35	34	14	17	03	97.14
	BASY First Sem Oct-22	SL	50	III	12	12	12	-	-	-	100
		Opt	50	V	13	13	12	-	-	-	92.30
			50	VII	13	13	12	-	-	-	92.30
	BASY Second Sem Mar-23	SL	50	IV	12	12	12	-	-	-	100
		Opt	50	VII	13	13	11	AB- 2	-	-	100
			50	VIII	13	13	11	AB- 2	-	-	100
	BATY First Sem Oct-22	OptMain	50	IX	08	08	05	AB -3			100
			50	X	08	08	05	AB -3			100
			50	Xi	03	02	01	-	-	-	50
	BATY Second SemMar-23	Opt	50	XIII	08	07	04	AB -1	F-2		66.66
			50	XIV	08	07	04	AB -1	F-2		66.66
		Main	50	XV	03	02	02	-	-	-	100
			100	XVI	03	02	02	-	-	-	100

2022-23	B.Com.F.Y-(SL)	I –SEM Oct-22	(SL)-I	26	25	24	22	01	01	96.00
		II-SEM April-23	(SL)-II	26	25	24	17	04	03	96.00
	B.Com.S.Y-(SL)	III-SEM Oct-22	(SL)-III	19	18	18	09	08	01	94.73
		IV-SEM April-23	(SL)-IV	19	18	16	09	06	01	94.73

2022-23	B.Sc.F.Y-(SL)	I –SEM Oct-22	(SL)-I	18	16	16	14	01	01	100
		II-SEM April-23	(SL)-II	18	17	16	16		F-1	94.11
	B.Sc.S.Y-(SL)	III-SEM Oct-22	(SL)-III	28	28	26	AB-1	F-1	-	96.15
		IV-SEM April-23	(SL)-IV	28	26	25	AB-1	-	-	100

16. विभाग में कार्यरत अध्यापकों की शैक्षणिक वर्ष 2023-24 की उपलब्धियों

डॉ. दत्तात्रय लक्ष्मण येडले

A) परिषद, कार्यशाला एवं संगोष्ठी यों में सहभाग तथा शोध निबंध प्रस्तुति राष्ट्रीय आंतरराष्ट्रीय पत्रपत्रिका एवं पुस्तक में प्रकाशित आलेख ।

01 आलेख - हिंदी दलित साहित्य विकास यात्रा
UGC Care Listed भैरवी पत्रिका दृश्य एवं प्रदर्शनकारी कला की शोध-पत्रिका विशेषांक
प्रकाशक : प्रा. पुष्पक नारायण, मिथिलांचल संगीत परिषद ललित कला संकाय,
मिथिला विश्वविद्यालय, कामेश्वर नगर, दरभंगा बिहार अप्रैल – 2023
ISSN : 0975 – 5217 Impact factor 8.141
पृष्ठ – 401- 404

02. आलेख - वैश्विक महिला जीवन की वास्तविकता और दलित साहित्य
स्वाती पांडुरंग खाडे डॉ. दत्तात्रय येडले
International journal of advance and applied research Peer Reviewed
BI -Monthly Vol. 5 No. 31 Issue -3
इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एडवांस एंड अप्लाइड रिसर्च
संपादक : रामकिशन दहीफळे सितंबर - अक्टूबर 2024
ISSN : 2347 – 7075 Impact factor 8.141
पृष्ठ – 39- 40

03 आलेख - हिंदी कहानी में नारी समस्याएं
स्वाती पांडुरंग खाडे डॉ. दत्तात्रय येडले
Special issue KNOWLEDGE RESONANCE
Half Yearly Peer Reviewed Research Journal
Transformation of Social Institutions in India (Issues, Challenges and Remedies)
संपादक: प्रोफेसर मंजुषा नळगीरकर 24-25 Feb - 2025
ISSN : 2231-1629 Impact factor : 8.072
पृष्ठ : 420-422

04 आलेख - हिंदी कहानियों में दलित नारी चित्रण
स्वाती पांडुरंग खाडे डॉ दत्तात्रय लक्ष्मण येडले
Literature of the marginalized लिटरेचर आफ द मार्जिनलाइज्ड
संपादक : डॉ. वैशाली प्रधान डॉ. एस पी बुरकुल जनवरी – 2025
प्रकाशक: अथर्व पब्लिकेशन, जलगांव
ISBN : 978-93-6186-009-6
पृष्ठ: 250 - 254

B) अंतरराष्ट्रीय / राष्ट्रीय संगोष्ठी / सम्मेलन कार्यशाला में सहभाग

केंद्रीय हिंदी संस्थान आगरा, शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार नवीनीकरण एवं भाषा प्रसार विभाग तथा पूर्वोत्तर शिक्षण सामग्री निर्माण विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी मैं सहभागी लेकर आलेख प्रस्तुत किया।

आलेख - भक्ति साहित्य में कौशल विकास

तिथि 21- 22 मार्च 2025

C) प्रकाशन एव संपादन कार्य।

1) भारतीय ज्ञान परंपरा : पंचकोश विकास : व्यक्तिमत्व विकास व चारित्र्य निर्माण
लेखक - डॉ. आश्विन रांजणीकर डॉ. दत्तात्रय येडले डॉ. प्रमोद कुमावत
प्रकाशक - आयुष पब्लिकेशन, नंदनवन कॉलनी, छत्रपती संभाजीनगर
ISBN : 978-81-984804-3-9
वर्ष — 2025

D) विश्वविद्यालय समिति - कार्य

डॉ बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय छत्रपति संभाजीनगर
परीक्षा विभाग द्वारा पेपर सेटिंग समिति - अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।
तिथि 24 25 मार्च 2025

F) बहिस्थ परीक्षक के रूप में उपस्थित

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय छत्रपति संभाजीनगर वार्षिक परीक्षा (प्रात्यक्षिक) -रार्जर्षि शाहू महाविद्यालय पाथ्री के हिंदी विभाग अंतर्गत बीए I वर्ष परीक्षा के बहिस्थ परीक्षक के रूप में कार्य

तिथि : 3 अप्रैल 2025

G) मार्गदर्शन पर व्याख्यान

श्री संत सावता माळी ग्रामीण महाविद्यालय फुलंब्री जि. छत्रपती संभाजीनगर
राष्ट्रीय सेवा योजना विभाग द्वारा आयोजित शिबिर में छात्रों को मार्गदर्शन
विषय : व्यक्तित्व विकास
तिथि : 4 जनवरी 2025

विधानसभा चुनाव में कार्य

01 महाराष्ट्र राज्य विधानसभा चुनाव में क्षेत्रीय अधिकारी (zonal officer) के रूप में कार्य
मतदान केंद्र - धामनगांव, बिल्डा, मुर्शिदाबादवाडी, गनौरी, सांजुळ, चिंचोली बु.
तिथि- 18 से 22 नवंबर 2024

02 महाराष्ट्र राज्य विधानसभा चुनाव (assembly election) में मतदान मोजणी अधिकारी 112 वैजापूर (counting supervisor for EVM officer 112 vaijapur) के रूप में कार्य
तिथि - 23 नवंबर 2024

पीएचडी अनुसंधान केंद्र हेतु एमओयू (MOU)

विवेकानंद कला सरदार दुलीप उसी है वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय औरंगाबाद

तिथि : 25 जुलाई 2022

रिसर्च एडवाइजरी कमिटी (RAC) मीटिंग उपस्थिति

1. तिथि : 24-07-2024
2. तिथि : 27 जनवरी 2025

Mou सामंजस्य करार चेतना महाविद्यालय सावंगी तथा श्री संत सावता माली ग्रामीण महाविद्यालय फुलंब्री

J) महाविद्यालयीन समिति - कार्य

1. प्रवेश समिती व वेळापत्रक समिति - प्रमुख
2. प्रार्थना समिति - सहायक
3. नवाचार कक्ष (Incibation cell) - सदस्य
4. Equal Opportunity Centar) समान सुअवसर कक्ष - प्रमुख

L) आजीवन सदस्य

अक्षरा: मध्य प्रदेश राष्ट्रभाषा प्रचार समिति की यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त पत्रिका का आजीवन सदस्य

प्रा.डॉ. सुरेश मुंढे

शैक्षणिक वर्ष, 2024 — 25 की शैक्षणिक उपलब्धियां

A) अंतरराष्ट्रीय राष्ट्रीय संगोष्ठी कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में उपस्थिती / आलेख प्रस्तुति एवं सहभागिता.

1. दिशा भारत संस्था बेंगलुरु द्वारा आयोजित तीन दिवसीय मूल्य शिक्षा पर आधारित राष्ट्रीय परिषद में सक्रिय सहभागी. तिथि- 23.8.2024 से 25 8.24 स्थान- बेंगलुरु
2. राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज विश्वविद्यालय नागपुर एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में शोध प्रपत्र का वाचन.
   तिथि- 12 13 सितंबर 2024
   स्थान- राष्ट्र संत तुकडोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय नागपुर
   आलेख शीर्षक- श्रीमद् भागवतगीता में ज्ञान संबंधी विचार
3. मौलाना आजाद कला विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय छत्रपति संभाजी नगर एवं केंद्रीय हिंदी संस्थान आगरा द्वारा आयोजित, हिंदी मराठी सूफी चिंतन परंपरा और भारतीय साहित्य तुलनात्मक अध्ययन इस एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में विषय प्रवर्तन के रूप में उपस्थित
   तिथि- 20 सितंबर 2024
   स्थान- मौलाना आजाद कला विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय छत्रपति संभाजीनगर.
4. डॉ बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय एवं कै . वामनराव पीतांबरी महाविद्यालय तथा डिफेंस कैरियर अकादमी के संयुक्त तत्वाधान से आयोजित एकदिवसीय राष्ट्रीय शैक्षिक धोरण 2020 पर आयोजित कार्यशाला में सहभागी. तिथि -31.8.2024
   स्थान- डिफेंस करियर अकैडमी छत्रपति संभाजी नगर.
5. वसुंधरा महाविद्यालय घटनांदुर द्वारा आयोजित एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में शोध आलेख प्रस्तुत.
   विषय- हिंदी साहित्य में स्त्री विमर्श एक विवेचन तिथि -28 1 2025

स्थान- वसुंधरा महाविद्यालय घटनांदुर तहसील परली.

6. स्व .सावरकर महाविद्यालय द्वारा आयोजित द्वि दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी भारत रत्न नानाजी देशमुख और ग्राम विकास संगोष्ठी में .

   विषय-नानाजी देशमुख एक प्रख्यात समाजसेवी एवं राजनीतिज्ञ इस विषय पर शोध आलेख प्रस्तुत तिथि- 13, 14 फरवरी 2025

   स्थान- स्व . सावरकर महाविद्यालय बीड.

7. केंद्रीय हिंदी निदेशालय नई दिल्ली उच्चतर शिक्षा विभाग शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार एवं भोसला मिलिटरी कॉलेज राम भूमि नासिक महाराष्ट्र के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में विशेषज्ञ के रूप में विषय प्रस्तुति.

   स्थान -भोसला मिलिट्री कॉलेज नासिक

   तिथि- 3 से 5 मार्च 2025

   विषय- हिंदी तथा मराठी संत साहित्य में अभिव्यक्त सामाजिक एवं सांस्कृतिक समरसता.

8 .प्रतिष्ठान महाविद्यालय पैठन एवं डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय के सहयोग से हिंदी विभाग तथा अनुसंधान केंद्र,IQAC विभाग द्वारा"वर्तमान परिप्रेक्ष्य में हिंदी, साहित्य एवं अनुसंधान" इस विषय पर आयोजित एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी मैं विशेषज्ञ के रूप में उपस्थिति एवं शोध पत्र की प्रस्तुति। तिथि- 10 मार्च 2025

   स्थान- प्रतिष्ठान महाविद्यालय पैठन

B). अंतरराष्ट्रीय राष्ट्रीय पत्र पत्रिका एवं पुस्तकों में प्रकाशित आलेख।

1 . भारतीय ज्ञान परंपरा और संस्कृति ए आर पब्लिशिंग कंपनी दिल्ली द्वारा प्रकाशित किताब में शोध आलेख प्रकाशित। संपादक -डॉ संतोष गिरी डॉक्टर सुमीत सिंह संस्करण- 2024

   आलेख शीर्षक- श्रीमद् भागवतगीता में ज्ञान संबंधी विचार

   पेज नंबर - 96 से 102 ISBN NO- 978-93-88130-65-3

2 . इंटरनेशनल मल्टीलिंगुअल मासिक रिसर्च जनरल उत्कर्ष प्रकाशन छत्रपति संभाजी नगर

   दिसंबर 2024 के volume 1 issue 2 में शोध आलेख प्रकाशित.

   संपादक —डॉ. सरोज नामदेवराव पगारे

   शोध आलेख शीर्षक- साहित्य में अंबेडकरवाद अर्थ एवं स्वरूप

   पेज नंबर -14-19 ISBN NO - 3048-7986

3. international universal research analysis(UGC approved referred and peer reviewed research general) में शोध आलेख प्रकाशित.

   संपादक -डॉ अर्जुन मोरे डॉ बायजा कोठुळे वर्ष -सितंबर 2024

   शोध आलेख शीर्षक -हिंदी साहित्य में स्त्री विमर्श एक विवेचन

   पेज नंबर- 43-44 ISSN NO -2229-4406 Impact factor -6.50(Grifi)

4. Excel international journal of social science and humanities an international peer reviewed journal में शोध आलेख प्रकाशित. संपादक - स्व.सावरकर महाविद्यालय बीड

   तिथि - 13 ,14 फरवरी 2025 ISSN NO -2277-7539 print

   Impact factor -5.631 SJIF Volume No -36

   शोध आलेख शीर्षक - नानाजी देशमुख एक प्रख्यात समाजसेवी एवं राजनीतिज्ञ

   पेज नंबर -134-136

C) प्रकाशन एवं संपादन कार्य.

1 . हिंदी व्यंग्य कलश - डॉ.बा .आ .म. विश्वविद्यालय के स्नातक तृतीय वर्ष बी .ए. हिंदी पाठ्यक्रम हेतु संपादित पुस्तक.संपादक. प्रो सुरेश मुंढे प्रो.अपर्णा पाटील
प्रकाशन -लोकभारती प्रकाशन प्रयागराज प्रथम संस्करण- 2024
ISBN NO -978-81-979896-9-8

C) भारत सरकार/ महाराष्ट्र शासन/ राज्यस्तरीय/ तथा डॉ बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय स्तरीय विभिन्न समितियां में सदस्य के रूप में नियुक्ति तथा कार्य.

1 महाराष्ट्र शासन राष्ट्रीय शैक्षणिक धोरण 2020 के तहत गठित LOCF सुकाणू उप समिति सदस्य के रूप में कार्य , शैक्षणिक वर्ष .2024 -25

2 डॉ बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय के मानव विद्या शाखा फैकल्टी मेंबर के रूप में कार्य , शैक्षणिक वर्ष 2024- 25

3 डॉ बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय के हिंदी अध्ययन मंडल के सदस्य के रूप में कार्य (शैक्षणिक वर्ष 2024 -25)
बीए द्वितीय एवं तृतीय वर्ष का पाठ्यक्रम बनाने में सक्रिय योगदान .

4 डॉ बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय द्वारा प्रा. दत्तात्रेय फुके के प्राध्यापक CAS अंतर्गत स्थान पदोन्नति हेतु माननीय कुलपति नियुक्त विषय प्रतिनिधि के रूप में कार्य. .
तिथि - 19.9.2024 स्थान -राजश्री शाहू महाविद्यालय पाथरी

5 डॉ बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय द्वारा प्रा. अर्जुन मोरे के सहयोगी प्राध्यापक 13A CAS के अंतर्गत स्थान पदोन्नति हेतु माननीय कुलपति नियुक्त विषय प्रतिनिधि के रूप में कार्य. तिथि -25.11.2024 स्थान- प्रतिष्ठान महाविद्यालय पैठन

6. डॉ बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय द्वारा प्रा .डॉ. अमर आलदे के सहयोगी प्राध्यापक 13A अंतर्गत स्थान पदोन्नति हेतु माननीय कुलपति नियुक्त विषय प्रतिनिधि तज्ञ के रूप में कार्य.
तिथि- 19 6 2024 स्थान - कला एवं विज्ञान महाविद्यालय चौसाला।

8. डॉ बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय द्वारा उपपरिसर धाराशिव केंद्र पर CAS CAMP स्थान पदोन्नति हेतु माननीय कुलपति नियुक्त विषय प्रतिनिधि के रूप में कार्य. .
तिथि- 31.7.2024 स्थान- धाराशिव विद्यापीठ उपकेंद्र परिसर.

9. भारत सरकार केंद्रीय हिंदी निदेशालय शिक्षा मंत्रालय उच्चतर शिक्षा विभाग नई दिल्ली द्वारा गोमांतक राष्ट्रभाषा विद्यापीठ मडगांव गोवा का निरीक्षण करने हेतु केंद्रीय हिंदी निदेशालय भारत सरकार द्वारा निरीक्षण हेतु विशेषज्ञ प्रतिनिधि के रूप में कार्य.
तिथि- 12 13 अगस्त 2024 स्थान - गोमांतक राष्ट्रभाषा विद्यापीठ मडगांव गोवा .

E) अनुसंधानात्मक समितियां में कार्य.

1 .प्रतिष्ठान महाविद्यालय पैठन के हिंदी विभाग अंतर्गत हिंदी अनुसंधान केंद्र में RAC सदस्य के रूप में कार्य. तिथि - 6.2.2025 25 7.2024

2 .विवेकानंद महाविद्यालय छत्रपति संभाजी नगर में हिंदी अंतर्गत हिंदी अनुसंधान केंद्र में त्री सदस्य- समिती सदस्य के रूप में कार्य. तिथि- 13. 3.2025

F) मार्गदर्शन पर व्याख्यान.

1 श्री आसारामजी भंडवालदार कला वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय में 'राष्ट्रीय विकास में युवाओं की भूमिका ' इस विषय पर मार्गदर्शन किया.

तिथि - 20.9.2024

2 विवेकानंद महाविद्यालय छत्रपति संभाजी नगर में हिंदी विभाग द्वारा आयोजित' हिंदी साहित्य एवं अनुवाद में रोजगार के अवसर ' इस विषय पर मार्गदर्शन किया .

तिथि - 13.3.2025

G) महाविद्यालय स्तर पर विभिन्न समितियां में कार्य.

1. परीक्षा विभाग प्रमुख के रूप में कार्य।
2. शिक्षक पालक समिति प्रमुख के रूप में कार्य।
3. माजी विद्यार्थी समिति सदस्य के रूप में कार्य।
4. पी एम उषा सॉफ्ट कंपोनेंट समिति के सदस्य के रूप में कार्य।
5. महाविद्यालय के NAAC में 7th criteria के प्रमुख रूप में कार्य।

H) महाविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय ,राष्ट्रीय संगोष्ठी,कार्यशाला ,वेबीनार का आयोजन.

1. हिंदी विभाग द्वारा ' भारतीय ज्ञान परंपरा त्यौहार एवं उत्सव की वैज्ञानिकता 'इस विषय पर एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठि का आयोजन किया गया. तिथि -7 अक्टूबर 2024 \
स्थान- स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाड़ा अनुसंधान केंद्र छत्रपति संभाजीनगर.
2. हिंदी विभाग द्वारा ' वैश्विक पटल पर हिंदी के बढ़ते चरण ' इस विषय पर एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया. तिथि - 5 फरवरी 2025
स्थान एवं माध्यम - गूगल मीट
3. हिंदी विभाग द्वारा 'मिडिया लेखन' इस पाठ्यक्रम प्रमाणपत्र कोर्से का आयोजन .
तिथि -12 -24 फरवरी - 2025

I) परामर्श मंडल तथा आजीवन सदस्य.

1. शैलजा प्रकाशन कानपुर उत्तर प्रदेश के परामर्श मंडल का आजीवन सदस्य .
2. राष्ट्रभाषा (राष्ट्रभाषा प्रचार समिति वर्धा की मासिक पत्रिका) वर्धा महाराष्ट्र का आजीवन सदस्य.
3. 'अक्षरा' मध्यप्रदेश राष्ट्रभाषा प्रचार समिति की यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त पत्रिका का आजीवन सदस्य.
4. 'शुभ तारीख' (कहानी लेखन महाविद्यालय का मुखपत्र) अंबाला छावनी हरियाणा का आजीवन सदस्य.

17) राष्ट्रभाषा हिंदी विभाग की आगामी योजनाएँ।

1. **आंतर्राराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन करना।**
2. **हिंदी पाठयक्रम एलसीडी / स्मार्टबोर्ड के माध्यम से Power Point के द्वारा छात्र तक पहुँचना!**
3. **विभिन्न राष्ट्रीय एवं आंतर्राराष्ट्रीय संगोष्ठीयों में आलेखों का प्रपठन करना।**

4. छात्रों के लिए विभाग की ओर से छात्र अध्ययन यात्रा का आयोजन करना।

5. तासिकाएँ लेते समय आधुनिक यंत्र सामग्री का अधिक से अधिक मात्रा में प्रयोग करना।

6. हिंदी के सभी तज्ञों से अपने विभाग द्वारा मोबाईल संदेशों के माध्यम से संपर्क बनाए रखना।

7. हिंदी साहित्य अकादमी के सहयोग से विभिन्न साहित्यकारों पर लघु / टेलिफिल्म बनाना ।

8. अनुसंधानात्मक कार्य को गती देना।

साधन सामग्री (Department Infrastructure)

अ.क्र	वस्तु का नाम	संख्या
1	कपाट अलमारियां	03
2	टेबल	02
3		02
4		01
5		01
6	नोटिस बोर्ड	01
7	ब्लैकबोर्ड	01
8	खुर्चियां	17
9	साहित्यकारों की तस्वीरे	00
10		01
11	एलसीडी प्रोजेक्टर	01
12		01
13		01
14	फैन पंखा	01
15	किताबें	02
16	स्टेशनरी	02

डॉ. दत्तात्रय येडले
हिंदी विभाग प्रमुख,
श्री सं. सा. मा. ग्रा.महा.
फुलंब्री,

डॉ. सुरेश मुंढे
हिंदी विभाग
श्री सं. सा. मा. ग्रा.महा.
फुलंब्री,

डॉ. एस. आर. टकले
प्राचार्य,
श्री सं. सा. मा. ग्रा.महा.
फुलंब्री,

18. विभिन्न उपक्रमों के छायाचित्र

\

19. हिंदी विभाग की गतिविधियों के समाचार पत्रों में प्रकाशित प्रतिबिंब

दिव्य मराठी

छत्रपती संभाजीनगर जिल्हा 08-12-2024

उत्सव • मानवविज्ञान विद्याशाखेचे अधिष्ठाता डॉ. साळुंके यांच्या हस्ते उद्घाटन

राष्ट्रीय शैक्षणिक धोरण अंमलबजावणीवर कार्यशाळा

प्रतिनिधी | फुलंब्री

प्रधानमंत्री -उच्चतर शिक्षा अभियान (पीएम उषा) यांच्या अर्थसाहाय्याने व पंडित दीनदयाळ उपाध्याय शिक्षण संस्था संचालित श्री संत सावता माळी ग्रामीण महाविद्यालय फुलंब्री यांच्या संयुक्त विद्यमाने \'नवीन राष्ट्रीय शैक्षणिक धोरण २०२० अंमलबजावणी : एकाधिक प्रवेश आणि एकाधिक निर्गमन' या विषयाच्या अनुषंगाने शुक्रवार रोजी एकदिवसीय कार्यशाळेचे आयोजन करण्यात आले होते.

या कार्यशाळेचे उद्घाटन डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठाच्या मानवविज्ञान विद्याशाखेचे अधिष्ठाता डॉ. संजय साळुंके यांच्या हस्ते करण्यात आले. यप्रसंगी पंडित दीनदयाळ उपाध्याय शिक्षण संस्थेचे निमंत्रित सदस्य, प्राचार्य डॉ. प्रदीप जब्दे यांची प्रमुख उपस्थिती होती. कार्यशाळेच्या उद्घाटनप्रसंगी अध्यक्षस्थानी पंडित दीनदयाळ उपाध्याय शिक्षण संस्थेचे सचिव निवृत्ती गावंडे हे होते.

कार्यशाळेचे प्रास्ताविक महाविद्यालयाचे प्राचार्य डॉ. एस. आर. टकले यांनी केले. उद्घाटन सत्रात बोलत असताना डॉ. साळुंके म्हणाले की, नवीन शैक्षणिक धोरण, जागतिकीकरण तसेच भारतीय ज्ञानपरंपरा या अनुषंगाने आपले मत व्यक्त केले. प्राचीन विद्यापीठामध्ये आपल्याकडील विद्यार्थी शिक्षण घेत होते. तेथील ज्ञान परंपराधिष्ठित होते हे विसरता येत नाही. गुरू ही संकल्पना महत्त्वाची होती हे यावरून लक्षात येते असे मत व्यक्त केले. उद्घाटन सत्रात प्राचार्य डॉ. प्रदीप जब्दे यांनी नवीन शैक्षणिक धोरणामध्ये होणाऱ्या बदलांसंदर्भात तसेच विषय निवड व कौशल्ये याअनुषंगाने विद्यार्थ्यांशी हितगुज केले. उद्घाटनसत्राचा अध्यक्षीय समारोप संस्थेचे सचिव मा. निवृत्ती गावंडे यांनी केला. कार्यशाळेच्या पहिल्या सत्रात प्रमुख वक्ते डॉ. संजय साळुंके यांनी मार्गदर्शन केले. प्रस्तुत सत्राचा अध्यक्षीय समारोप डॉ. कैलास इंगळे यांनी केला. अध्यक्षीय समारोप करत असताना यशवंतराव चव्हाण महाविद्यालय सिल्लोड येथील प्राचार्य डॉ. अशोक पंडित म्हणाले की, पूर्वी गुरुकुल पद्धती होती व त्या आवडीनिवडीनुसार शिक्षण दिले जात होते.

आवडीच्या शिक्षणाचा फायदा व्हावा: प्राचार्य डॉ. लांब

कार्यशाळेच्या दुसऱ्या सत्रासाठी प्रमुख वक्ते म्हणून इंद्रराज महाविद्यालय सिल्लोडचे प्राचार्य डॉ. व्यंकटेश लांब यांनी उपस्थित विद्यार्थ्यांना नवीन शैक्षणिक धोरण आणि त्यातले बदल सांगितले. आवडीचे शिक्षण मिळत आहे. त्याचा फायदा विद्यार्थ्यांनी करून घ्यावा. तसेच नवीनतम कार्यकौशल्ये आहेत ती कौशल्ये आत्मसात करावी लागतील. ती कौशल्ये आत्मसात करण्याची संधी विद्यार्थ्यांना या शैक्षणिक धोरणातून मिळणार आहे. विद्यार्थ्यांना कधी प्रवेश करायचा व कधी बाहेर पडायचे ही संधी या धोरणाने मिळवून दिलेली आहे. त्याचा विचार विद्यार्थ्यांनी करावा.